

एक भारत श्रेष्ठ भारत उत्सव 2021





आज दिनांक 27-10-2021 को महाराजा बिजली पासी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, आशियाना, लखनऊ में सरकार द्वारा संचालित 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के अंतर्गत 'एक भारत श्रेष्ठ भारत उत्सव 2021 -ए कल्चर एक्स्ट्रावर्गेजा के रूप हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। उक्त अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, लखनऊ, प्रोफेसर आलोक श्रीवास्तव उपस्थित रहे तथा अन्य अतिथि के रूप में नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर अनुराधा तिवारी तथा राजकीय महाविद्यालय गोसाईं खेड़ा की प्राचार्या प्रोफेसर मीनू श्रीवास्तव उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का आरंभ मुख्य अतिथि प्रोफेसर आलोक श्रीवास्तव व अन्य अतिथियों के द्वारा सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के द्वारा किया गया तत्पश्चात महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर सुमन गुप्ता ने अतिथियों का वाचिक स्वागत किया और 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के महत्व को छात्र-छात्राओं के समक्ष रखा। कार्यक्रम की विषय वस्तु 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम की प्रमुख संयोजिका डॉक्टर सनोबर हैदर ने लोगों के समक्ष प्रस्तुत किया। इसी क्रम में एक भारत श्रेष्ठ भारत समाचार पत्रिका का लोकार्पण भी किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर आलोक श्रीवास्तव ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए एक भारत श्रेष्ठ भारत के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने यह कहा कि भारत की अनेकता में एकता को प्रस्तुत करने वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य देश के विभिन्न राज्यों के बीच सांस्कृतिक, आर्थिक, सामाजिक इत्यादि विभिन्न संस्कृतियों को आपस में एक दूसरे से जोड़ना एक दूसरे से परिचित कराना है। उक्त कार्यक्रम में छात्राओं ने उत्तर प्रदेश व मेघालय के सांस्कृतिक एकता को प्रदर्शित करने के लिए विभिन्न प्रकार के नृत्य व फैशन शो इत्यादि सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए उक्त अवसर पर अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं अलीगंज राजकीय महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर अनुराधा तिवारी ने कहा कि भारत देखने में तो अनेक है लेकिन फिर भी वह एक है इसीलिए भारत श्रेष्ठ रहा है और हमेशा श्रेष्ठ ही रहेगा। एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति द्वारा सम्पन्न किए गए कार्यों की रूपरेखा डॉक्टर सरिता सिंह द्वारा सभी के समक्ष प्रस्तुत की गई, कार्यक्रम का संचालन डा० श्वेता मिश्रा द्वारा किया गया एवं पूरे कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ० रश्मि यादव एवं डॉ० मधुमिता गुप्ता के द्वारा सक्रिय भूमिका निभाई गई। कार्यक्रम का समापन डॉ० सनोबर हैदर द्वारा धन्यवाद ज्ञापित कर किया गया। उक्त अवसर पर अन्य महाविद्यालयों से आए हुए प्राचार्य, शिक्षक तथा महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

NEWS REPORTS

स्नातक विभाग, 2021-22

स्नातक विभाग, 2021-22

स्नातक विभाग, 2021-22

स्नातक विभाग, 2021-22

एक भारत श्रेष्ठ भारत उत्सव का हुआ आयोजन

बेलरायां-खीरी। महाराजा बिजली पासी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, आशियाना, लखनऊ में सरकार द्वारा संचालित 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के अंतर्गत 'एक भारत श्रेष्ठ भारत उत्सव-2021-एक कल्चर एक्स्ट्रावर्गेंजा के रूप हर्षाहस के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, लखनऊ, प्रोफेसर आलोक श्रीवास्तव उपस्थित रहे तथा अन्य अतिथि के रूप में नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर अनुराधा तिवारी तथा राजकीय महाविद्यालय गोसाईं खेड़ा की प्राचार्या प्रोफेसर मीनू श्रीवास्तव उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रोफेसर आलोक श्रीवास्तव व अन्य अतिथियों के द्वारा सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के द्वारा किया गया। तत्पश्चात् महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर सुमन गुप्ता ने अतिथियों का वाचिक स्वागत किया और 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के महत्व को छात्र-छात्राओं के समक्ष रखा। कार्यक्रम की विषय वस्तु 'एक भारत श्रेष्ठ भारत'



कार्यक्रम की प्रमुख संयोजिका डॉ. सनोबर हैदर ने लोगों के समक्ष प्रस्तुत किया। इसी क्रम में एक भारत श्रेष्ठ भारत समाचार पत्रिका का लोकार्पण भी किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर आलोक श्रीवास्तव ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए एक भारत श्रेष्ठ भारत के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने यह कहा कि भारत की अनेकता में एकता को प्रस्तुत करने वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य देश के विभिन्न राज्यों के बीच सांस्कृतिक, आर्थिक, सामाजिक इत्यादि विभिन्न संस्कृतियों को आपस

में एक दूसरे से जोड़ना एक दूसरे से परिचित कराना है। उक्त कार्यक्रम में छात्राओं ने उत्तर प्रदेश व मेघालय के सांस्कृतिक एकता को प्रदर्शित करने के लिए विभिन्न प्रकार के नृत्य व फैशन शो इत्यादि सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं अलीगंज राजकीय महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर अनुराधा तिवारी ने कहा कि भारत देखने में तो अनेक है, लेकिन फिर भी वह एक है, इसीलिए भारत श्रेष्ठ रहा है और हमेशा श्रेष्ठ ही रहेगा। एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति

द्वारा सम्पन्न किए गए कार्यों की रूपरेखा डॉक्टर सरिता सिंह द्वारा सभी के समक्ष प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. श्वेता मिश्रा द्वारा किया गया एवं पूरे कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. रश्मि यादव एवं डॉ. मधुमिता गुप्ता के द्वारा सक्रिय भूमिका निभाई गई। कार्यक्रम का समापन डॉ. सनोबर हैदर द्वारा धन्यवाद ज्ञापित कर किया गया। इस अवसर पर अन्य महाविद्यालयों से आए हुए प्राचार्य, शिक्षक तथा महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

0 0 0

0 0 0

0 0 0

0 0 0

'एक भारत श्रेष्ठ भारत' उत्सव का हुआ आयोजन

लखीमपुर-खीरी। महाराजा बिजली पासी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, आशियाना, लखनऊ में सरकार द्वारा संचालित 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के अंतर्गत 'एक भारत श्रेष्ठ भारत उत्सव-2021-ए कल्चर एक्स्ट्रावर्गेजा के रूप हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, लखनऊ, प्रोफेसर आलोक श्रीवास्तव उपस्थित रहे तथा अन्य अतिथि के रूप में नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर अनुराधा तिवारी तथा राजकीय महाविद्यालय गोसाईं खेड़ा की प्राचार्या प्रोफेसर मीनू श्रीवास्तव उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रोफेसर आलोक श्रीवास्तव व अन्य अतिथियों के द्वारा सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के द्वारा किया गया। तत्पश्चात् महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर सुमन गुप्ता ने अतिथियों का वाचिक स्वागत किया और 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के महत्व को छात्र-छात्राओं के समक्ष रखा। कार्यक्रम की विषय वस्तु 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम की प्रमुख संयोजिका डॉ. सनोबर



हैदर ने लोगों के समक्ष प्रस्तुत किया। इसी क्रम में एक भारत श्रेष्ठ भारत समाचार पत्रिका का लोकार्पण भी किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर आलोक श्रीवास्तव ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए एक भारत श्रेष्ठ भारत के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने यह कहा कि भारत की अनेकता में एकता को प्रस्तुत करने वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य देश के विभिन्न राज्यों के बीच सांस्कृतिक, आर्थिक, सामाजिक इत्यादि विभिन्न संस्कृतियों को आपस में एक दूसरे से जोड़ना एक दूसरे से परिचित कराना है। उक्त कार्यक्रम में छात्राओं ने उत्तर प्रदेश व

मेघालय के सांस्कृतिक एकता को प्रदर्शित करने के लिए विभिन्न प्रकार के नृत्य व फैशन शो इत्यादि सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं अलीगंज राजकीय महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर अनुराधा तिवारी ने कहा कि भारत देखने में तो अनेक है, लेकिन फिर भी वह एक है, इसीलिए भारत श्रेष्ठ रहा है और हमेशा श्रेष्ठ ही रहेगा। एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति द्वारा सम्पन्न किए गए कार्यों की रूपरेखा डॉक्टर सरिता सिंह द्वारा सभी के समक्ष प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. श्वेता मिश्रा द्वारा किया गया एवं पूरे कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. रश्मि यादव एवं डॉ. मधुमिता गुप्ता के द्वारा सक्रिय भूमिका निभाई गई। कार्यक्रम का समापन डॉ. सनोबर हैदर द्वारा धन्यवाद ज्ञापित कर किया गया। इस अवसर पर अन्य महाविद्यालयों से आए हुए प्राचार्य, शिक्षक तथा महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक व

। अध्यक्षों सहित सैकड़ों ने दिया इस्तीफा

तिकुनियां घटना में मारे गये भाजपा कार्यकर्ताओं न मिलना अब भाजपा पदाधिकारियों में रोष ये सामूहिक इस्तीफे के बाद अब निघासन व सिंगाही के भाजपा मंडल अध्यक्षों सहित सैकड़ों सन के मंडल अध्यक्ष प्रज्ञानंद श्रीवास्तव व सिंगाही मंडल अध्यक्ष विकास मिश्र ने सामूहिक अराजकतत्वों द्वारा भाजपा कार्यकर्ताओं की पीट-पीट कर निर्मम हत्या की गयी और गाड़ियां स की कार्यवाही हुई है।

एक भारत श्रेष्ठ भारत उत्सव 2021 मनाया गया

लखनऊ। महाराजा बिजली पासी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, आशियाना, लखनऊ में सरकार द्वारा संचालित 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के अंतर्गत 'एक भारत श्रेष्ठ भारत उत्सव 2021 -ए कल्चर एक्स्ट्रावर्गेन्जा के रूप हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

उक्त अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, लखनऊ, प्रोफेसर आलोक श्रीवास्तव उपस्थित रहे तथा अन्य अतिथि के रूप में नेताजी सुभाष चंद्र बोस राजकीय महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर अनुराधा तिवारी तथा राजकीय महाविद्यालय गोसाईं खेड़ा की प्राचार्या प्रोफेसर मीनू श्रीवास्तव उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का आरंभ मुख्य अतिथि प्रोफेसर आलोक श्रीवास्तव व अन्य अतिथियों के द्वारा सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के द्वारा किया गया तत्पश्चात महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर सुमन गुप्ता ने अतिथियों का वाचिक स्वागत किया और 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के महत्व को छात्र-छात्राओं के समक्ष रखा। कार्यक्रम की विषय वस्तु 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम की प्रमुख संयोजिका डॉक्टर सनोबर हैदर ने लोगों के समक्ष प्रस्तुत किया। इसी क्रम में एक भारत श्रेष्ठ भारत समाचार पत्रिका का लोकार्पण भी किया गया।



कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर आलोक श्रीवास्तव ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए एक भारत श्रेष्ठ भारत के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने यह कहा कि भारत की अनेकता में एकता को प्रस्तुत करने वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य देश के विभिन्न राज्यों के बीच सांस्कृतिक, आर्थिक, सामाजिक इत्यादि विभिन्न संस्कृतियों को आपस में एक दूसरे से जोड़ना एक दूसरे से परिचित कराना है। उक्त कार्यक्रम में छात्राओं ने उत्तर प्रदेश व मेघालय के सांस्कृतिक एकता को प्रदर्शित करने के लिए विभिन्न प्रकार के नृत्य व फैशन शो इत्यादि सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए उक्त अवसर पर अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं अलीगंज राजकीय महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर अनुराधा तिवारी ने

कहा कि भारत देखने में तो अनेक है लेकिन फिर भी वह एक है इसीलिए भारत श्रेष्ठ रहा है और हमेशा श्रेष्ठ ही रहेगा।

एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति द्वारा सम्पन्न किए गए कार्यों की रूपरेखा डॉक्टर सरिता सिंह द्वारा सभी के समक्ष प्रस्तुत की गई, कार्यक्रम का संचालन डा0 प्वेता मिश्रा द्वारा किया गया एवं पूरे कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ0 रश्मि यादव एवं डॉ0 मधुमिता गुप्ता के द्वारा सक्रिय भूमिका निभाई गई। कार्यक्रम का समापन डॉ0 सनोबर हैदर द्वारा धन्यवाद ज्ञापित कर किया गया। उक्त अवसर पर अन्य महाविद्यालयों से आए हुए प्राचार्य, शिक्षक तथा महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

छात्राओं ने पेश की एक भारत, श्रेष्ठ भारत की झलक

» महाराजा बिजली पासी राजकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय में मनाया गया उत्सव

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। महाराजा बिजली पासी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत उत्सव 2021-ए कल्चर एक्स्ट्रावर्गेंजा के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर सुमन गुप्ता ने कार्यक्रम के महत्व को बताया। इस मौके पर नृत्य और फैशन शो का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एक भारत श्रेष्ठ भारत पत्रिका का लोकार्पण भी किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर आलोक श्रीवास्तव ने कहा कि भारत की अनेकता में एकता को प्रस्तुत करने वाले इस कार्यक्रम का उद्देश्य देश के विभिन्न राज्यों की संस्कृतियों से लोगों को जोड़ना और परिचित कराना है। छात्राओं ने उत्तर प्रदेश व मेघालय के सांस्कृतिक एकता को प्रदर्शित करने के लिए विभिन्न प्रकार के नृत्य व फैशन शो पेश किए। अलीगंज राजकीय महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफेसर अनुराधा तिवारी ने कहा कि भारत देखने में तो अनेक है लेकिन वह एक

» विद्वानों ने छात्र-
छात्राओं को भारत
की सांस्कृतिक
एकता से कराया
परिचित



हे इसीलिए भारत श्रेष्ठ रहा है और हमेशा श्रेष्ठ ही रहेगा। एक भारत श्रेष्ठ भारत समिति द्वारा सम्पन्न किए गए कार्यों की रूपरेखा डॉक्टर सरिता सिंह द्वारा प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम की प्रमुख संयोजिका डॉक्टर सनोबर हैदर ने विषय वस्तु को प्रस्तुत किया। संचालन डॉ. श्वेता

मिश्रा ने किया। इस मौके पर डॉ. रश्मि यादव, मधुमिता गुप्ता, प्रोफेसर मीनू श्रीवास्तव व महाविद्यालयों से आए हुए प्राचार्य, शिक्षक तथा महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। डॉ. सनोबर हैदर ने धन्यवाद ज्ञापित किया।



EK
BHARAT
SHRESHTHA
BHARAT



Newsletter



Prof. Suman Gupta
Principal
MBP GPG Govt. College



Dr. Sanobar Haider
Nodal OfEcer
MBP GPG Govt. College



Prof. Khwarpang
Principal
TGT College of
Teacher Education



Dr. Regalia Tongper
Nodal OfEcer
TGT College of
Teacher Education

RO`O-PYbO



Dr. Sarita Singh
Student Club Coordinator



Dr. Sweta Mishra



Dr. Rashmi Yadav



Dr. Madhumita Gupta



Dr. Raghavendra Mishra



Mr. Manoj

`abQR[a- PYbO



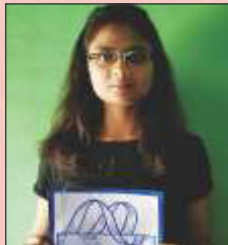
Miss. Sukriti Gupta



Mr. Piyush



Mr. Apoorv Deep Bajpai



Miss. Pragiti Singh



Miss. Shakshi Yadav



Miss. Maitre Singh



Miss. Asma Parvez

मातृभाषा दिवस पर हिंदी को बढ़ावा देने का संकल्प



» महाराजा बिजली पासी राजकीय महाविद्यालय आशियाना में आयोजित हुआ कार्यक्रम

सखनऊ। राष्ट्रीय उत्कृष्ट शिक्षा अभियान के निर्देशानुसार महाराजा बिजली पासी राजकीय महाविद्यालय आशियाना सखनऊ में मातृभाषा दिवस मनाया गया। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों ने हिंदी को बढ़ाने देने का संकल्प लिया।

महाविद्यालय के कार्यक्रमों और छात्रों के उत्साहपूर्ण इस समारोह में भाग लिया। इस दौरान विभिन्न लेखकों द्वारा लिखित हिंदी भाषा की पुस्तकों प्रदर्शनी में छात्रों के लिए प्रदर्शित की गई। यूथी प्रिजेंट्स की दरजाओं पर आधारित लघु फिल्मों और कलात्मक कार्यों को दिखाई गई। महाविद्यालय की प्रभावों डॉ. मंत्र दीक्षित ने हमारी मातृभाषा हिंदी की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सहायकता डॉ. सरिता सिंग और निजीय लोगदान रहा।

मेघालय और यूपी की संस्कृति से वक्ताओं ने कराया रूबरू

» महाराजा बिजली पासी राजकीय महाविद्यालय में आयोजित किया गया वेबिनार

सखनऊ। राष्ट्रीय उत्कृष्ट शिक्षा अभियान के निर्देशानुसार महाराजा बिजली पासी राजकीय महाविद्यालय में आयोजित किया गया वेबिनार का आयोजन किया गया।

वेबिनार का विषय मेघालय और उत्तर प्रदेश की संस्कृति का जिसमें लगभग 100 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। सभी अतिथिगण कार्यक्रम से जुड़े। अक्सरों में प्रोफेसर अमोना एन पासह, नॉर्थ ईस्टर्न हिंदू यूनिवर्सिटी, दिल्ली और हिमांशु बाजपैय, सुप्रसिद्ध भारतीय कलाकार और लेखक शामिल थे, जो विस्वभर में अपनी कार्यवाही के लिए जाने जाते हैं। डा. पासह ने बहुत ही रोचक ढंग से मेघालय की संस्कृति के बारे में बात की और मेघालय की संस्कृति को प्रतिबिंबित किया एवं क्षेत्र के इतिहास, भूगोल, भोजन और पहनावे पर परिचर्चा की। हिमांशु बाजपैय ने संस्कृति के अर्थ के बारे में बात की और सखनऊ के विशेष संदर्भ में उत्तर प्रदेश की संस्कृति के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से बातें की। वेबिनार से दोनों संघर्षों से जुड़े छात्रों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को इन बातों की संस्कृति, इतिहास एवं भूगोल की बृहद जानकारी प्राप्त की। इसके बाद डा. मधुमिता गुप्ता द्वारा आयोजित एक संवादात्मक सत्र एवं वृत्त विश्व द्वारा सारोस प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का समापन डा. सखनेंद्र मिश्रा प्रणय की काव्य प्रस्तुति और नोबल अधिकारी द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।



'Ek Bharat Shreshtha Bharat' programme aims to enhance interaction and promote mutual understanding between people of different States and Union Territories through the concept of state/UT pairing. The states carry out activities to promote a sustained and structured cultural connect in the areas of language

learning, culture, traditions and music, tourism and cuisine, sports and sharing of best practices.

The EBSB programme aims :

To celebrate the Unity in Diversity of our Nation and to maintain and strengthen the fabric of traditionally existing emotional bonds between the people of our Country.

To promote the spirit of national integration through a deep and structured engagement between all Indian States and Union Territories through a year-long planned engagement between States;

To showcase the rich heritage and culture, customs and traditions of either State for enabling people to understand and appreciate the diversity that is India, thus fostering a sense of common identity

To establish long-term engagements and,

To create an environment which promotes learning between States by sharing best practices and experiences.

Maharaja Bijli Pasi Government PG College, Lucknow has been paired up with the College of Teacher Education, P.G.T ,Shillong with the purpose of celebrating the idea of India as nation with cultural diversity through the manifestation of diverse languages, cuisines, costumes, handicrafts, sports and literature. To generate vibrance of Understanding and appreciation amongst people of two different states and to forge mutual bonding between them. It has been an absolute delight to connect with the paired college, students and staff members alike. The nodal officer Dr Regalia M. Tongper has been extremely cooperative under the kind and able guidance of the Principal Prof. V. Kharmawphlang.

EBSB Team at MBP

At Maharaja Bijli Pasi Government PG College, the team EBSB is led by our senior most Professor and former Principal of the College, Prof. Manju Dikshit supported by our Principal and guide Prof. Mohammad Tariq.

The ever dynamic team of teachers consists of Dr S arita Singh-Coordinator, Dr Shweta Mishra, Dr Rashmi Yadav, Dr Madhumita Gupta, Dr Raghavendra Mishra and Mr Manoj.

The Students Club consists of some very energetic and ever enthusiastic boys and girls including Apoorvdeep Bajpai, Sukriti Gupta, Asthma Parvez, Maitry Singh, Pragati Singh, Piyush and Swati Gautam.

The office bearers for the same being

Sukriti Gupta	:	President
Apoorv deep Bajpai	:	Vice President
Secretary	:	Sakshi Yadav

The club began the session with the decoration of the notice board under the guidance of the Mentors and a Swacchta Pledge vowing to keep the campus and the environment clean.

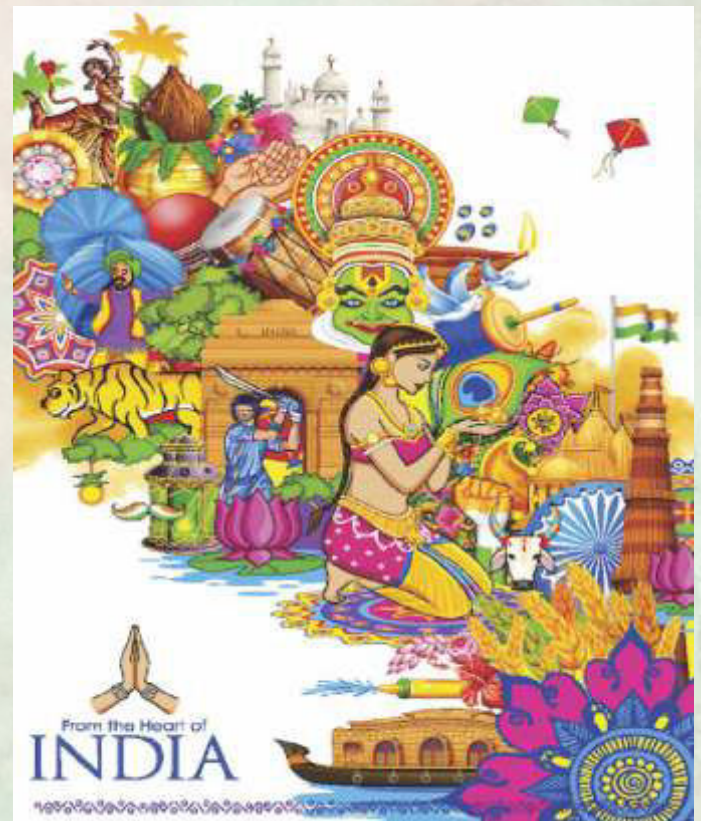
In keeping with the spirit of EBSB celebrations of matr bhasha diwas on 20-21st february were observed in the college. A book exhibition was organized in the college library for the students promoting the study of hindi as our mother tongue. Short hindi Elms like Eid gah based on the story of Munshi Premchand was also shown to the students celebrating the matr bhasha diwas. Further, a slogan writing competition, nukkad natak presentations and group discussions were also held in consonance with the spirit of the day.

A poster making competition was organized for the Students to sensitize them about the importance of protecting the environment on the occasion of the World Environment Day i.e. the 5th of June 2020.

Being the nodal officer of this ever ambitious programme of the Government of India is a privilege and has given me an opportunity to be a part of the vision of our Prime Minister's extremely promising and dynamic scheme of promoting unity in diversity..As is well known that a common thread runs through the length and breadth of our nation and we as citizens of this country need to strengthen the bonds across regions and boundaries. and I hope to be able to help the students achieve the maximum through this platform providing them with the utmost opportunities for inter state exposure and interaction.

'Unity in diversity is India's strength. There is simplicity in every Indian. There is unity in every corner of India. This is our strength'. Sri [Narendra Modi](#)

Dr. Sanobar Haider
Nodal Officer
MBP GPG Govt. College





Prof. Suman Gupta
Principal

'Ek Bharat Shreshtha Bharat' is an extremely promising programme of the Government of India, which envisions the dream of our Prime Minister, Sri Narendra Modi ji. It is indeed great for the College to be associated with this initiative which aims to transcend borders between different parts of the country. By way of this programme different states of the country are getting closer to each other both through the virtual and actual mode which infact is the underlying thread of the our country which is a land of diversities.

The College EBSB Club headed by Dr Sanobar Haider has been organizing various programmes like Webinars, student meets, cultural programmes etc throughout the year both online and ofZine. It has been quite an interesting journey for the students of the college who were exposed from time to time to the students of the paired up college of Teacher Education, Shillong, Meghalaya.

The EBSB Club of Maharaja Bijli Pasi Government PG College, Lucknow hopes and looks forward to holding various other programmes in the near future for even a better understanding of the history, culture and various issues related to the state of Meghalaya.

I wish the EBSB TEAM the very best for all their future endeavours.



Dr. Mohammad Tariq

The 'Ek Bharat Shrestha Bharat' programme, is a very ambitious programme of our Government to strengthenthe bonds of amity between people of diverse cultures living in different parts of India. This effort of the Government deNitely deserves an applause and we at Maharaja Bijli Pasi Government PG College, Lucknow are proud to be associated with this scheme.

The initiative 'Ek Bharat Shreshtha Bharat' was announced by Hon'ble Prime Minister on 31st October, 2015 on the occasion of the 140th birth anniversary of Sardar Vallabh bhai Patel. Through this innovative measure, the knowledge of the culture, traditions and practices of different states & UTs will lead to an enhanced understanding and bonding between the states, thereby strengthening the unity and integrity of India. This programme also aims to showcase the rich heritage of either states fostering a sense of common identity.

The efforts in this regard being made by our college hope to enthuse a new vig our into the act of promoting cultural unity with the paired up states .Our College has the opportunity to work in consonance with the College of Teacher Education, PGT ,Shillong and we have had

some excellent interactions with the staff and students of the college.

My best wishes to the teams for all their future end evours.



Prof. Manju Dixhit

It is indeed a privilege and a matter of great pride to bring out the Newsletter for the the very promising programme EBSB with which our honourable Prime Minister Sri Narendra Modiji is very closely involved. Having been associated with this programme ever since its inception in our college, has been a great experience in itself.

The efforts made by the team EBSB along with the students are deNitely commendable. In keeping with the the aim of the programme of celebrating the unity in diversity of the country we at MBP have been actively involved in strengthening our ties with the paired up college of Teacher Education, PGT Education, Shillong. Various programmes were organized over the year under the aegis of the club which proved to be a great success. A close association has been developed between the staff and students of both the colleges for which the nodal ofEcers and their team leaders deserve a special mention. I sincerely hope and wish that this association will go a long way in fostering the bonds across the states and regions of our multifaceted country.

'Our ability to reach unity in diversity will be the beauty and the test of our civilization.'

Mahatma Gandhi



Prof. Kiran Yadav

Greetings,

As I write a message for the EBSB newletter ,I must admit that EBSB programme is one of its kinds and deserves accolades.

The states and UTs perform activities in cohesion with the spirit of unity in diversity and showcase the activities which help in keeping with the spirit of Ek Bharat Shreshtha Bharat. The activities are also publicised through different social media platforms, online publicity, print coverage, digital media, Television/Radio programmes.

The activities are performed to highlight special features of the paired state and to celebrate diversity of the cultural spectrum of our country. The participation shown by the people of our country in the Ek Bharat Shreshtha Bharat Programme is commendable.

The students of MBP along with the EBSB Club of the College lead by the Nodal OfEcer have been organizing interesting programmes over the year.

Ek Bharat Shreshtha Bharat



Dr Sarita Singh

Asst. Prof. Department of English
MBP GPG College,
Aashiyana, Lucknow

"Our ability to reach unity in diversity will be the beauty and the test of our civilization."

Mahatma Gandhi

The above stated vision of Gandhiji finds its reverberation in Ek Bharat, Shreshtha Bharat campaign which was launched on 31 October 2015, on the occasion of the birthday of Sardar Vallabh bhai Patel, the iron man of India who endeavored incessantly to bind the entire nation in one single thread of unity.

A deeply penetrating insight will not fail to recognize the fundamental unity beneath manifold diversity in India. Thus, the ingenuity of Ek Bharat, Shreshtha Bharat campaign lies in the promotion of cultural unity among states as it aims to foster the spirit of national unity, cooperation, brotherhood, harmony among the people of the country through mutual sharing of cultural heritage and to develop a common approach to nation-building.

Through this initiative of the government, the people of the country would be exposed to the rich culture, heritage, food, clothing, handicrafts, tradition, language, and customs of all the 36 states and UTs and people of one state will be able to distinguish and acknowledge the culture and traditions of the other state. This campaign has been designed with the vision to promote learning between States by sharing best practices and experiences by showcasing the rich heritage and culture, customs and traditions of either State for enabling people to understand and appreciate the diversity, that is India, thus fostering a sense of common identity.

In this respect, each state has been paired with another state for a year and then after one year, again it shall be paired with some other state to develop an understanding and harbour a sense of mutual respect and belongingness. This pairing of states shall involve a planned and structured program abiding by which this mutual interchange and interaction shall take place. In this context, the state of Uttar Pradesh has been paired with the north-eastern states of Meghalaya and Arunachal Pradesh.

The college that has been paired with our college, Maharaja Biji Pasi Govt. PG College, Aashiyana, Lucknow is P.G.T. College of Teacher Education, Shillong, Meghalaya.

We have had few online interactions in this session so far, and it has really been an overwhelming experience. The interactions which initially began on a formal pedestal, gradually have now shifted to an informal zone. We now recognise and interact with the students from our paired college as if they are our own and this feeling of belongingness is now mutual. This platform

has certainly been able to strike a genial chord between us. The more we continue to interact, I hope, the more we all shall be able to coalesce the diverse cuisine, music, dance, theatre, movies & Elms, handicrafts, sports, literature, festivals and arts of our paired state of Meghalaya.

I really do hope that this interaction shall continue to build new modes of cultural communication between states having immense disparities, and strengthen the unity and integrity of the country through these close cross-cultural interactions.

"In diversity there is beauty and there is strength."

Maya Angelou

EBSB WEBINAR 'DEKHO APNA DESH : I AND II



Dr. Shweta Mishra

Asst. Prof. Department of English
MBP GPG College,
Aashiyana, Lucknow

Ek Bharat Shreshtha Bharat is not just a slogan but a thought that moves towards building and binding our nation in a single thread of love and compassion. Moving towards this goal, the EBSB Club of Maharaja Biji Pasi Govt. P.G. College, under the able mentorship of our Principal, Prof. Manju Dixit, and our EBSB Nodal Officer Dr Sanobar Haider, geared up for the webinars organized on 12th June, 2020 and the International Webinar Incredible India: Yoga, Ayurveda and Spirituality under the aegis of Ek Bharat Shreshtha Bharat: Dekho ApnaDesh organized on 6th July, 2020 via Zoom virtual conferencing.

In the First Webinar, Our keynote speaker and chief guest, Mr. Vikramjeet Singh Rooprai, author, historian, heritage activist and educator spoke about India's heritage and the pattern of evolution with reference to Harappan and Indus Valley Civilization. He talked about the drainage system, the pottery and the stories carved on pots and seals and threw light on the practices and customs that are relevant even today.

Our distinguished speaker and guest, Mr. Ravi Bhatt, the noted historian and author, focused on the culture of Lucknow evolved by the Nawabs of Lucknow and how it has been exceptionally useful for humankind - a culture catering to the well-being of humans. He told us about the evolution of etiquettes and mannerisms of Lucknow and the secular nature of Lucknow.

In the second Webinar, Our First distinguished speaker, Dr Ram Sharma, Associate Professor and Head, Department of English, J.V.P.G. College, Baghat, deined 'Yog' as something that 'joins'. He discussed in detail about various literary texts and vedas and quoted references from mythology to explain the importance of Yog. He also traced the history and significance of Ayurveda. Our next eminent speaker, Dr Abhay Narain Tiwari, Senior Ayurvedic Consultant, Sachiv Arogya Bharat Avadhprant, discussed in detail about Ayurveda.

He explained that 'Ayu' means 'life' and 'Veda' means 'knowledge'. He elucidated that the purpose of Ayurveda is to maintain the health of a healthy man and to eradicate the disease of a diseased one. He stated that Ayurveda is the science of life.

Our subsequent distinguished speaker, Mrs. Manjri Khullar, Alternative Medicine Therapist and Pranic Healer, discussed the concept of Spirituality. She deliberated that spirituality is not any religion but a science. She went on to explain the concept through the division of human self into body, mind and soul. She reasoned that meditation is the exercise for soul and that we need to cleanse ourselves for the clarity of Divine Power and Oneness.

This was followed by our celebrated speaker from the United States of America, Prof. Carolyn Heising, Former Professor, Iowa State University, United States and Co-Founder Universal Peace Institute, Vista, California. Prof. Heising brought to light her own

personal experiences of India and how Yoga is an effective way to Eght COVID-19 pandemic.

Moving towards binding our country with one thread of unity and love, we had our very special guests from Meghalaya - Dr Vanessa, Principal, College of Teacher Education, PGT Shillong, and Dr Regalia, the Nodal Ofcer, EBSB, College of Teacher Education, Shillong, whose presence added a feather to our cap. Dr Vanessa and Dr Regalia with their warm words of love touched our hearts.

The webinar concluded with a short poem:

Come what may we shall not fail
Come what may we shall not fail

This is our world and we are proud to say
That a little virus can never keep us away
We've come closer and together we hold
Each other in a stronger mould

WEBINAR
EBSB :Dekho Apna Desh
(History and Culture of India)
Organized by
EBSB Club
Maharaja Bijli Pasi Govt. P G College, Ashiana, Lucknow
Date & Time
June 12, 2020 at 12.30 PM on ZOOM and YouTube

Prof. Dr Manju Dikshit
Principal

Dr. Sanobar Haider
Nodal Officer

Dr. Vanessa Kharsawpitiang
Principal
College of Teacher Education
(PGT), Shillong

Dr. Regalia M. Tongper
Nodal Officer
College of Teacher Education
(PGT), Shillong

Joint College with EBSB club

Maharaja Bijli Pasi Govt. P G College, Ashiana, Lucknow

Prof. Manju Dikshit
Principal

Dr. Sanobar Haider
Nodal Officer

EBSB Club Members

Dr Rashmi Yadav
Dr Sarita Singh
Dr Shweta Mishra
Dr Madhumita Gupta
Dr Raghavendra Mishra
Shri Manoj Kumar

देखो अपना देश विषय पर एक ऑनलाइन वेबिनार

संयोजक: देश की विविधता में एकता को मजबूत देने और हमारे देश के लोगों के बीच पारस्परिक सम्बन्ध को मजबूत करने के लिए, भारत सरकार की अग्रणी संस्थाओं की संयुक्त शक्ति से आयोजित किया गया।

संयोजक: देश की विविधता में एकता को मजबूत देने और हमारे देश के लोगों के बीच पारस्परिक सम्बन्ध को मजबूत करने के लिए, भारत सरकार की अग्रणी संस्थाओं की संयुक्त शक्ति से आयोजित किया गया।

'देखो अपना देश' विषय पर विद्वानों ने किया मंथन

वेबिनार में प्राचीन संस्कृति पर प्रस्तुत किए गए विचार, महाराज विजयलक्ष्मी पारसी महाविद्यालय में कार्यक्रम आयोजित

संयोजक: देश की विविधता में एकता को मजबूत देने और हमारे देश के लोगों के बीच पारस्परिक सम्बन्ध को मजबूत करने के लिए, भारत सरकार की अग्रणी संस्थाओं की संयुक्त शक्ति से आयोजित किया गया।

Lifestyle, Values and Beliefs



Dr. Rashmi Yadav

Asst. Prof. Department of Chemistry
MBP GPG College,
Aashiyana, Lucknow

India is a diverse country, a fact that is visibly prominent in its people, culture and climate. From the eternal snows of the Himalayas to the cultivated peninsula of far South, from the deserts of the West to the humid deltas of the East, from the dry heat and cold of the Central Plateau to the cool forest foothills, Indian lifestyles clearly glorify the geography.

The Indian culture varies like its vast geography. People speak in different languages, dress differently, follow different religions, eat different food but are of the same temperament. So whether it is a joyous occasion or a moment of grief, people participate whole-heartedly, feeling the happiness or pain. A festival or a celebration is never constrained to a family or a home. The whole community or neighborhood is involved in bringing liveliness to an occasion. Likewise, an Indian wedding is a celebration of union, not only of the bride and groom, but also of two families, maybe cultures or religion too! Similarly, in times of sorrow, neighbors and friends play an important part in easing out the grief.

The global image of India is that of an upcoming and progressive nation. India has leaped many boundaries in all sectors- commerce, technology and development etc in the recent past. Ayurveda, is a distinct form of medicine made purely of herbs and natural weeds, that can cure any ailment of the world

. Meditation and Yoga are synonymous with India and Indian spirituality. Meditation is one of the most important components of Yoga, which is a mind-body therapy involving a series of exercises. The word 'meditation' covers many disparate practices from visualizing situations, focusing on objects or images, thinking through a complex idea, or even getting lost in a provocative book, all qualifying as meditation in the broad sense. However in Yoga, meditation generally refers to the more formal practice of focusing the mind and observing oneself in the moment. Many people from India and abroad are resorting to yoga and meditation to de-stress and rejuvenate their mind.

Another widely followed phenomena in India is the Doctrine of Karma that preaches that every person should behave justly as every act or deed comes back in full circle in one of the births of an individual.

The beauty of the Indian people lies in their spirit of tolerance, give-and-take and a composition of cultures that can be compared to a garden of Zowers of various colours and shades of which, while maintaining their own entity, lend harmony and beauty to the garden Dr. Rashmi Yadav,



Dr. Madhumita Gupta

Asst. Prof. Department of Commerce
MBP GPG College,
Aashiyana, Lucknow

Note On `Ek Bharat Shrestha Bharat`

ut kdr vlf uQk r dk'lgj &y[kuē
^dgrsgSt lsvi us'lgj dscjiseaugat kur sdsi jk esjgrsgA

Lucknow is the capital city of indian state of utter pradesh. it is the fourteenth most populous city and 12th most populous urban agglomeration of india. lucknow has always been a multicultural city that Zourished as a north indian cultural and artistic hub and the seat of power of nawabs in the 18th and 19th centuries. it continues to be an important centre of govt. administration education, commerce, aerospace, Enance, pharmaceuticals, technology, design, culture, tourism, music and poetry.

Historically lucknow was the capital of the awadh region controlled by the delhi sultanate and later under the mughal empire it was transferred to the nawabs of awadh.

Numerous monuments that stand today in lucknow like the bara imambara, the chota imambara and rumi darwaza are notable examples that has come to be known as the ganga - jamuni tehzeeb.

lucknow is famous for its chikan work. chikan is not only worn here but eaten also. chikan and jardori earns signiEcant foreign currency. it is said that human beings are made of air, water, Ere, earth and sky. if Pan and AADHAR are added to it, an indian is created. futher if tunday kebab, malai gilori, gazak, rewari, khasta, katchauri, jalebi, rabri and pan is added to it lucknow is created.

lucknow the name is synonymous with architectural example of lakhnawi bricks. the fragrance of ltr, mucial notes, the sound of dancers, the sweetness of dussaheri mangoes, malai and gulab rewadis and of course it mehmanawazi know its reEnement in speech, entertainment, dresses and manners.

Lucknow is also called the city of aabad. In fact is here that one can experience have contributed to the richness of this unique city. mention must be made of the urdu language gazals, sharary, expressive dance forms, colorful festivals, buzzing chowks and various exciting games loke patangbazi, kabutarbazi & baitbazi. lucknow is a live example of a city know to have a historical cultural background but famous for preserving its culture amidst fast paced progress of modern technology era.

^vk ek readsr lo dgj t lsgel sNf sy[kuē]
y[kuē ge ij fQk g fQk & [kuē**



Dr. Raghavendra Mishra
Asst. Prof. Department of Hindi
MBP GPG College,
Aashiyana, Lucknow

v k e h p l j f n u d k g h ; g l e g e k u g k k g S
o g y M k g S > x M k g S c M k u k n k u g k k g S
> ; s e q f d u g S f d n k r l s d k z e ' l g i v g k s t k s
e l g C r c k u s o k y k c M k b a k u g k k g S
, ' , ' , ' , ' , ' , ' & M o j k l o k l f e j
/ k u o k u c M k g S u g h l E e k u c M k g S
f g l h w u c M k g S u e q y e k u c M k g S
j k k j u e k t r h f z ; s c d l j d s > x M
b a k u ; r v x j g S r k s b a k u c M k g S
, ' , ' , ' , ' & M o j k l o k l f e j

Passi Government P. the Ek Bharat Shrestha Bharat (EBSB) platform. The relationship between the two institutes develops into such a beauty, that even though the stakeholders of both the institutes could not meet in person, yet interact with each other through virtual mode. Lockdown has brought the activities of the world to a halt, yet these two institutes never stop the wheels of activities rolling. From a series of Webinars to Students' Meet, organized by Dr Sanobar Haider and her team the students of both institutes interact with each other through digital mode. From the Biryani of Lucknow to Jadoh of Shillong, the intercultural exchange between these two institutes has given a deep insight into the culture and the ways of living of the people of Uttar Pradesh and Meghalaya. This platform has provides an opportunity for the students of both the institutes to learn about each other culture - the traditions, customs, beliefs, religions, values and ideals of both cultures through cultural exchange which was carried over by various activities such as S tudents' Meet and Webinars. On the whole, this journey has provide a wonderful experience for the stakeholders of both the institutes and this is not yet the end but it is just the beginning of this beautiful journey - Shillong Lucknow Connect.G College, Lucknow. Thanks to



Dr. Regalia Tongper
Nodal OfEcer
TGT College, Shillong, Meghalaya

SHILLONG-LUCKNOW CONNECT: A WONDERFUL EXPERIENCE

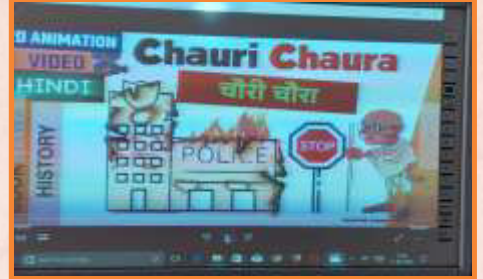
Dr (Mrs) Regalia May Tongper This beautiful journey embarks with the pairing of two institutes - College of Teacher Education (PGT), Shillong with Maharaja Bijli



EBSB Activities : A Colourful Journey



EBSB Activities : A Colourful Journey



EK BHARAT SHRESHTH BHARAT

MAHARAJA BILI PASI GOVERNMENT PG COLLEGE, LUCKNOW

SPECIAL CLASS - KHASI LANGUAGE

GUEST SPEAKER- Dr. Sanita Singh, Assistant Professor- Department of English

DATE-23rd JUNE 2021
TIME-11:30 A.M.

Dr. Kiran Yadav
Principal

Dr. Sanobar Halder
Nodal Officer

EBSB STUDENTS' MEET
EBSB CLUB

Maharaja Bili Pasi Government P.G. College, Lucknow

Date 05th October 2020 at 11:30 a.m. via ZOOM

Paired Institute: P.G.T. College of Teacher Education, Shillong

Principal
Dr. Mohammad Tariq

Nodal Officer
Dr. Sanobar Halder

EBSB Online Webinar

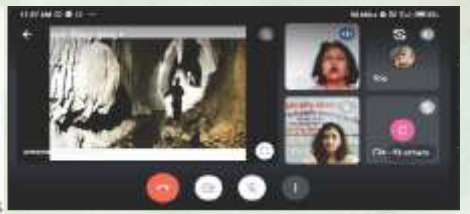
Ek Bharat Shreshtha Bharat programme aims to enhance interaction & promote mutual understanding between people of different states/UTs through the concept of state/UT pairing. The states carry out activities to promote a sustained and structured cultural connect in the areas of language learning, culture, traditions & music, tourism & cuisine, sports and sharing of best practices, etc.

Culture of Uttar Pradesh and Meghalaya
Date- 26th August 2021
Time- 11:30 A.M.
Via Google Meet

EBSB Documentary Show (NEP-2020)

Ek Bharat Shreshtha Bharat programme aims to enhance interaction & promote mutual understanding between people of different states/UTs through the concept of state/UT pairing. The states carry out activities to promote a sustained and structured cultural connect in the areas of language learning, culture, traditions & music, tourism & cuisine, sports and sharing of best practices, etc.

Tourist Destinations in Uttar Pradesh (Ministry of HRD)
Date- 1st October 2021
Time- 1:00 P.M.
Venue-S 7



The Faculty

Prof. Anil Bhardwaj
Director
Higher Education

Prof. Sunam Gupta
Principal

Dr. Anura N. Pasrah
Assistant Speaker

Dr. Sanobar Halder
Nodal officer
EBSB

Sri Himanshu Bajpai
Coordinator



THE UTTAR PRADESH - MEGHALAYA CONNECT



Report of Newspaper Clips

मातृभाषा दिवस पर हिंदी को बढ़ावा देने का संकल्प



महाराजा बिजली पासरी राजकीय महाविद्यालय आशियाना में आयोजित हुआ कार्यक्रम

लखनऊ। राष्ट्रीय उपकार शिक्षा अधिष्ठान के निर्देशानुसार महाराजा बिजली पासरी राजकीय महाविद्यालय आशियाना लखनऊ में मातृभाषा दिवस मनाया गया। इस दौरान उपस्थित सभी लोगों ने हिंदी को बढ़ाने देने का संकल्प लिया।

महाविद्यालय के अध्यापक और छात्रों ने उत्साहपूर्वक इस समारोह में भाग लिया। इस दौरान विभिन्न लेखकों द्वारा लिखित हिंदी भाषा की 'पुरस्कार' प्रदर्शनी में छात्रों के लिए प्रदर्शित की गई। 'सुशी' प्रकाशक की रचनाओं पर आधारित सद्य फिल्मों और कहानियां छात्रों को दिखाई गईं। महाविद्यालय की प्रचारवाही डॉ. नंजु दीक्षित ने हमारी मातृभाषा हिंदी की प्राचीनता पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम को अफ़सस बनाने में सहयोगकर्ता डॉ. सविता सिंह का विशेष योगदान रहा।

मेघालय और यूपी की संस्कृति से वक्ताओं ने कराया रूबरू

महाराजा बिजली पासरी राजकीय महाविद्यालय में आयोजित किया गया वेबिनार

लखनऊ। महाराज बिजली पासरी राजकीय महाविद्यालय लखनऊ के इंजीनियरी बलब द्वारा गुरुवार को भारत सरकार के महावाकाली एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के तत्त्वधान में वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार का उद्घाटन कालेज की प्राचार्य डॉ. सुमन गुप्ता ने किया और नोडल अधिकारी डॉ. सनाबर हैदर ने इसका आयोजन किया।

सुविधायक भारतीय कलाकार और लेखक शामिल थे, जो बिस्वभर में अपनी सांस्कृतिक कला के लिए जाने जाते हैं। डॉ. पासराह ने बहुत ही रोचक ढंग में मेघालय की संस्कृति के बारे में बात की और मेघालय की संस्कृति को प्रतिबिम्बित किया एवं क्षेत्र के इतिहास, भूगोल, भोजन और पहनावे पर परिचय की। हिमांशु बाजपेयी ने संस्कृति के अर्थ के बारे में बात की और लखनऊ के विशेष संदर्भ में उत्तर प्रदेश की संस्कृति के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से बर्ता की। वेबिनार से दोनों सत्रों से जुड़े छात्रों, शिक्षकों एवं अध्यापकों को इन सत्रों से संस्कृति, इतिहास एवं भूगोल को बृहद जानकारी प्राप्त की। इसके बाद डॉ. सुधामिता गुप्ता द्वारा आयोजित एक संवादात्मक सत्र एवं श्रेता मित्रा द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति किया गया। कार्यक्रम का समापन डॉ. सनाबर शिक्षा प्रणय की काव्य प्रस्तुति और नोडल अधिकारी द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

वेबिनार का विषय मेघालय और उत्तर प्रदेश की संस्कृति था जिसमें लगभग 100 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग लिया। सभी अभिवादन मान्यता से जुड़े। वक्ताओं में प्रोफेसर अमोना एन पासराह, नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, तिल्लंग और हिमांशु बाजपेयी,

देखो अपना देश विषय पर एक ऑनलाइन वेबिनार



लखनऊ। देश को विचार में एकता को बहुत ही और हमी देश के लोगों के बीच घाटीय रूप में विचार समन्वयन और के रूप को महाराजों और मन्त्रियों को ही, भारत सरकार की अफ़सस कर्मियों 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' केवल के सत महाराज बिजली पासरी राजकीय महाविद्यालय लखनऊ के इंजीनियरी बलब में भारत के इतिहास और संस्कृति पर एडुकेटिव सत्र आयोजित का 'देखो अपना देश' विषय पर एक

ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्रोफेसर डॉ. सुधामिता गुप्ता ने किया और महाविद्यालय के इंजीनियरी बलब में भारत की एकता को प्रोत्साहित किया गया। इस वेबिनार में मुख्य वक्ता डॉ. सनाबर हैदर, लखनऊ के इतिहास और संस्कृति के विशेषज्ञ थे। वेबिनार में प्रस्तुत किए गए विचारों को छात्रों ने बहुत ही उत्साहपूर्वक रूप से सुना और प्रतिक्रिया दी। वेबिनार के सत्रों में विचारों को प्रोत्साहित किया गया।

'देखो अपना देश' विषय पर विद्वानों ने किया मंथन

वेबिनार में प्राचीन संस्कृति पर प्रस्तुत किए विचार

लखनऊ। देश की विचार में एकता को बहुत ही और हमी देश के लोगों के बीच घाटीय रूप में विचार समन्वयन और के रूप को महाराजों और मन्त्रियों को ही, भारत सरकार की अफ़सस कर्मियों 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' केवल के सत महाराज बिजली पासरी राजकीय महाविद्यालय लखनऊ के इंजीनियरी बलब में भारत के इतिहास और संस्कृति पर एडुकेटिव सत्र आयोजित का 'देखो अपना देश' विषय पर एक

ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्रोफेसर डॉ. सुधामिता गुप्ता ने किया और महाविद्यालय के इंजीनियरी बलब में भारत की एकता को प्रोत्साहित किया गया। इस वेबिनार में मुख्य वक्ता डॉ. सनाबर हैदर, लखनऊ के इतिहास और संस्कृति के विशेषज्ञ थे। वेबिनार में प्रस्तुत किए गए विचारों को छात्रों ने बहुत ही उत्साहपूर्वक रूप से सुना और प्रतिक्रिया दी। वेबिनार के सत्रों में विचारों को प्रोत्साहित किया गया।

राजधानी के शिक्षण संस्थानों में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

महाराजा बिजली पासरी राजकीय महाविद्यालय में कई कार्यक्रम आयोजित

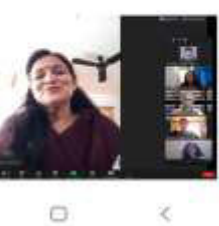
लखनऊ। राजधानी के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर महाराज बिजली पासरी राजकीय महाविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।



अयोध्या में भारत माता की हुई मक्य आरती रम की पेश पर जलावे गये 7500 तौष

लखनऊ। राजधानी के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर महाराज बिजली पासरी राजकीय महाविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

'EK BHARAT SHRESHTHA BHARAT' is a government of India programme to promote and celebrate unity in diversity and to strengthen the bond between the people of the country. Keeping in line with the objective the EBSB Club of Maharaja Bijli Pasi Government P.G. College, Lucknow organised an online WEBINAR on the theme 'Dekho Apna Desh' on the history and culture of India and the historical city of Lucknow. The programme was inaugurated by Prof. Dr Manju Dixshit and convened by Dr. Sanobar Haider, the nodal officer for the EBSB programme of the college.



Maharaja Bijli Pasi Government P.G College.

The birth Anniversary of Mahatma Gandhi and Lal Bahadur Shastri ji was celebrated on the 2nd of October 2021 at Maharaja Bijli Pasi Government P.G College.

